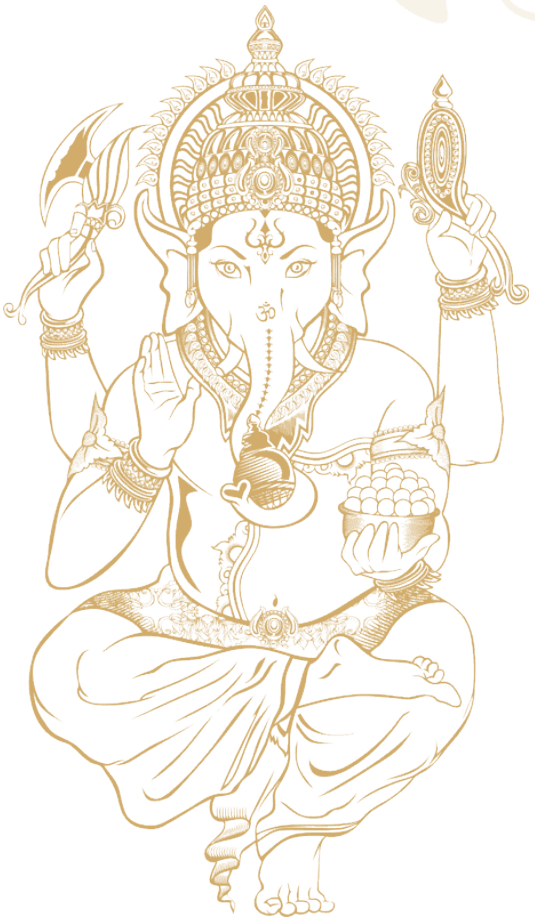

Om

04 Dec 2025

06:15 PM

Kathua

Model: web-freekundliweb

Order No: 121191802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/12/2025**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**18:15:00 घंटे**
इष्ट	27:32:18 घटी
स्थान	**Kathua**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:22:00 उत्तर
रेखांश	75:31:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:47:04 घंटे
वेलान्तर	00:09:47 घंटे
साम्पातिक काल	22:41:25 घंटे
सूर्योदय	07:14:04 घंटे
सूर्यास्त	17:22:22 घंटे
दिनमान	10:08:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	18:23:56 वृश्चिक
लग्न के अंश	02:21:17 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सिद्ध
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ओ-ओमप्रकाश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	02:21:17	337:22:05	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	---
सूर्य			वृश्चि	18:23:56	01:00:51	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			वृष	12:08:31	15:20:54	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	वृश्चि	27:41:55	00:44:41	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	स्वराशि
बुध			तुला	28:17:53	00:42:03	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		कर्क	00:04:21	00:04:25	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			वृश्चि	10:25:04	01:15:27	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	सम राशि
शनि			मीन	00:58:26	00:00:41	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	19:35:24	00:11:07	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	19:35:24	00:11:07	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	04:41:14	00:02:25	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप	व		मीन	05:09:44	00:00:12	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:45:37	00:01:22	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	14:31:07	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:13

लग्न-चलित

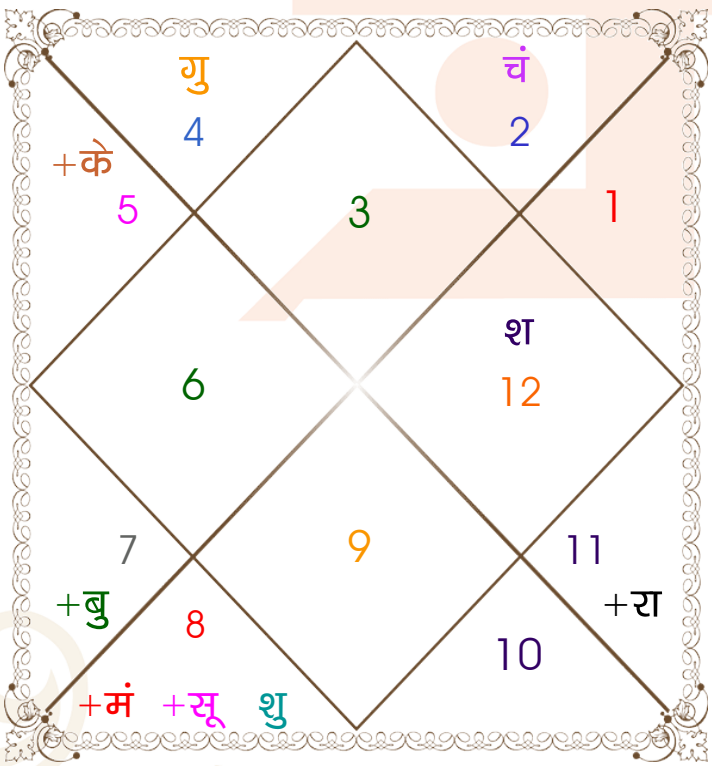

चन्द्र कुंडली

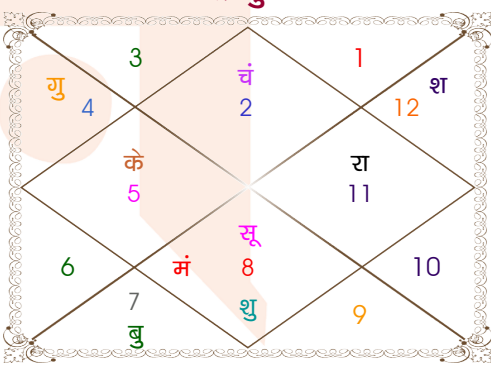

नवमांश कुंडली

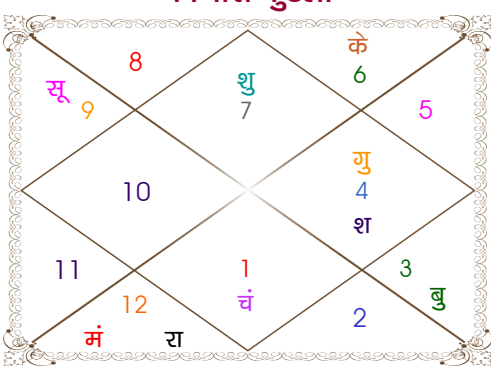

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 4 मास 21 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
04/12/2025		27/04/2034		27/04/2041		27/04/2059		27/04/2075	
27/04/2034		27/04/2041		27/04/2059		27/04/2075		27/04/2094	
	00/00/0000	मंगल	23/09/2034	राहु	08/01/2044	गुरु	14/06/2061	शनि	30/04/2078
	04/12/2025	राहु	12/10/2035	गुरु	02/06/2046	शनि	27/12/2063	बुध	07/01/2081
राहु	28/03/2027	गुरु	17/09/2036	शनि	08/04/2049	बुध	03/04/2066	केतु	16/02/2082
गुरु	27/07/2028	शनि	26/10/2037	बुध	27/10/2051	केतु	10/03/2067	शुक्र	18/04/2085
शनि	25/02/2030	बुध	24/10/2038	केतु	13/11/2052	शुक्र	08/11/2069	सूर्य	31/03/2086
बुध	28/07/2031	केतु	22/03/2039	शुक्र	14/11/2055	सूर्य	27/08/2070	चंद्र	30/10/2087
केतु	26/02/2032	शुक्र	21/05/2040	सूर्य	08/10/2056	चंद्र	27/12/2071	मंगल	08/12/2088
शुक्र	26/10/2033	सूर्य	26/09/2040	चंद्र	09/04/2058	मंगल	02/12/2072	राहु	15/10/2091
सूर्य	27/04/2034	चंद्र	27/04/2041	मंगल	27/04/2059	राहु	27/04/2075	गुरु	27/04/2094

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
27/04/2094		28/04/2111		28/04/2118		28/04/2138		27/04/2144	
28/04/2111		28/04/2118		28/04/2138		27/04/2144		00/00/0000	
बुध	23/09/2096	केतु	24/09/2111	शुक्र	27/08/2121	सूर्य	16/08/2138	चंद्र	26/02/2145
केतु	20/09/2097	शुक्र	23/11/2112	सूर्य	28/08/2122	चंद्र	14/02/2139	मंगल	27/09/2145
शुक्र	22/07/2100	सूर्य	31/03/2113	चंद्र	27/04/2124	मंगल	22/06/2139	राहु	05/12/2145
सूर्य	28/05/2101	चंद्र	30/10/2113	मंगल	28/06/2125	राहु	16/05/2140		00/00/0000
चंद्र	28/10/2102	मंगल	29/03/2114	राहु	27/06/2128	गुरु	04/03/2141		00/00/0000
मंगल	25/10/2103	राहु	16/04/2115	गुरु	26/02/2131	शनि	14/02/2142		00/00/0000
राहु	13/05/2106	गुरु	22/03/2116	शनि	28/04/2134	बुध	21/12/2142		00/00/0000
गुरु	18/08/2108	शनि	01/05/2117	बुध	26/02/2137	केतु	28/04/2143		00/00/0000
शनि	28/04/2111	बुध	28/04/2118	केतु	28/04/2138	शुक्र	27/04/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 4 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।